

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Diploma	Class`: B.A. II YEAR	Year: 2026	Session: 2026-27
Subject:			
1	Course Code	M-3	
2	Course Title	BASICS OF MICRO ECONOMICS	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	MINOR I	
4	Pre-requisite (if any)	Certificate	
5	Course Learning outcomes (CLO)	After completing this course, students will be able to understand rational behaviour and the basic concepts of microeconomics from ancient Indian and modern perspectives. Students will be able to explain consumer and producer behaviour and their optimal decisions, and learn about optimal production decisions by firms and industries in markets. Learning microeconomics is an effective way to gain an understanding of many factors that affect us in the real world, such as purchasing patterns, consumption behaviour, production pricing, and factor pricing. Finally, understanding microeconomics is important to learn about the fundamental principles of economics from	

96

		ancient Indian perspectives and modern perspectives.	
6	Credit Value	04	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):

L-T-P: 3 HOURS

Unit	Topics	No. of Lectures
I Introduction to Economics in Indian knowledge system	1. The concept of economics under the Indian knowledge system - Thoughts of Brihaspati, Shukracharya, Kautilya, Mahatma Gandhi, Deendayal Upadhyaya and J.K.Mehta 2. Scope and nature of economics under the Indian knowledge system. 3. Relationship of economics with other subjects according to Indian knowledge system. 4. Economic analysis under the Indian knowledge system. Fundamental concepts of economics according to Indian knowledge system such as goods, value, price, economic laws, consumerism, rational behaviour, service attitude	12

JK

	. Activity: Quiz and essay competition.	
UNIT II Introduction of Economics	1. Definition, Scope, and Nature of Economics, Definition of Microeconomics, Comparative Study of Micro and Macroeconomics 2. Relationship of Economics with Other Social Science Disciplines 3. Positive and Normative Economics 4. Methods of Economic Analysis: Inductive and Deductive Methods 5. Basic Concepts: Commodity, Price, Value Rational Behavior, Economic Laws, Needs, and Choice 6. Central Problems of Economics and the Production Possibility Curve Consumer Behaviour 1. Concept of Utility, Cardinal Utility Approach, Total Utility, and Marginal Utility 2. Law of Diminishing Marginal Utility 3. Indifference Curve Analysis: Definition, Meaning, and Characteristics 4. Consumer Equilibrium	12

SL

	. Activity: Discussion and Making of a Chart		
III Demand and Supply and Production	1. Concepts of Demand and Supply 2. Law of Demand and Its Exceptions: Giffen Goods 3. Elasticity of Demand 4. Supply, Law of Supply, and Elasticity of Supply Production 1. Concept of Production and Production Function 2. Law of Variable Proportions 3. Iso product Curve: Meaning and Characteristics 4. Producer's Equilibrium 5. Economies of Scale 6. Concepts of Revenue and Cost	12	
	Activity: Discussion and Chart Making		
IV Market	1. Meaning and Classification of Market 2. Meaning and Characteristics of Perfect Competition 3. Equilibrium of a Firm under Perfect Competition 4. Meaning, Types, and Characteristics of Imperfect Competition 5. Meaning and Characteristics of Monopoly	12	

52

	and Equilibrium of a Firm 6. Meaning and Characteristics of Monopolistic Competition and Equilibrium of a Firm	
	Activity: Debate: Is Monopoly Beneficial to Society?	
V Distribution and Welfare Economics	1. Marginal Productivity Theory of Distribution 2. Rent 3. Wages 4. Interest 5. Profit Concept of Welfare Economics	12
	Activity Based on rent, interest, wages, and profit Study of the accounts of local merchants	
Keywords/Tags: Positive Economics, Normative Economics, Inductive and Deductive methods, Consumer Behaviour, Production Function, Perfect Competition Monopoly, Monopolistic Marginal Productivity		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
1. Rigveda, Yujurveda, Samaveda, Atharvaveda. 2. Kautilya Arthashastra. 3. Ramayana and Mahabharata. 4. Ahuja, H.L. (Latest Addition). Principles of Micro Economics, Sultan Chand and		

92

Company, New Delhi (Hindi and English Versions)

5. Barla, C.S. (Latest Addition), Micro Economics, National Publishing House, Jaipur, New Delhi (Hindi and English Versions).
6. Jhingan, M.L. (Latest Addition), Micro Economic, Vrinda Publication, New Delhi (Hindi and English Versions).\
7. Karl E. Case and Ray C. Fair, (2007), Principles of Economics, 8th Ed., Pearson Education Inc.
8. Koutsoyiannis, A. (1979), Modern Microeconomics, (2nd Edition), Macmillan Press, London.
9. Kreps, David M. (1990), A Course in Microeconomic Theory, Princeton University Press, Princeton
10. Mankiw, G. (2010), Principles of Microeconomics, 6th ed., South-Western College Publication, USA.
11. Mishra S. K. and Puri, V. K. (2001) - Adv Advanced Micro Economic Theory, Himalaya Publishing House, Bombay (Hindi and English Versions).
12. Salvatore D. (2006), Microeconomics-Theory and Applications, Oxford University Press
13. Salvatore D. (2002) Theory and Problems of Microeconomic Theory, Schaum's Outline Series, McGraw-Hill Book Company, Singapore
14. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे. पी, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
15. सिन्हा वी.सी. एवं सिन्हा पुष्पा, व्यष्टि अर्थशास्त्र, S.B.P.D. पब्लिकेशन, आगरा
16. Sinha V.C. and Srivastav Ritu, (2020-21) S.B.P.D. पब्लिकेशन, आगरा
17. अर्थशास्त्र, हिंदी ग्रंथ अकादमी

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	Section(A) : Three Very Short Questions (50 Words Each) Section (B) : Four Short Questions (200 Words Each) Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each)	Total 70
Any remarks/ suggestions:		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भागअ- परिचय				
कार्यक्रम: डिप्लोमा	कक्षा बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष:: 2026		सत्र:2026-27
विषय:				
1	पाठ्यक्रम का कोड	M-3		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आधारभूत व्यष्टि अर्थशास्त्र		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोरकोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिकइ लेक्टिव/वोकेशनल/.....)	MINOR I		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	किसी भी संकाय में 12वीं उत्तीर्ण		

ge

	(यदि कोई हो)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी व्यक्ति अर्थशास्त्र के तर्कसंगत व्यवहार और बुनियादी अवधारणाओं को प्राचीन भारतीय एवं आधुनिक दृष्टिकोण से समझने में सक्षम होंगे। विद्यार्थी उपभोक्ता और उत्पादकों के व्यवहार और उनके इष्टतम निर्णयों की व्याख्या एवं फर्मों और उद्योग द्वारा बाजारों में इष्टतम उत्पादन के निर्णयों के बारे में जान सकेंगे। व्यक्ति अर्थशास्त्र सीखना, वास्तविक दुनिया में हमें प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है जैसे कि सामान खरीदने के तरीके, उपभोग व्यवहार, उत्पादन मूल्य निर्धारण और साधन मूल्य निर्धारण। अन्ततः प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण तथा आधुनिक दृष्टिकोण में अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के बारे में जानने के लिये व्यक्ति अर्थशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है।	
6	क्रेडिट मान	04	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-स्क्रूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 3 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I भारतीय ज्ञान परंपरा में अर्थशास्त्र का परिचय	1. भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत अर्थशास्त्र की अवधारणा -बृहस्पति, शुक्राचार्य एवं कौटिल्य एवं अन्य अर्थशास्त्रियों के विचार, महात्मा गांधी, दीनदयाल उपाध्याय एवं जे.के.मेहता के विचार 2. भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत अर्थशास्त्र का क्षेत्र एवं प्रकृति 3. भारतीय परंपरा के अनुसार अर्थशास्त्र का अन्य विषयों से संबंध 4. भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणायथा वस्तु, मूल्य, कीमत, आर्थिक नियम उपभोक्तावाद, विवेकशील व्यवहार, सेवा भाव	12

92

	गतिविधि: प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता	
II अर्थशास्त्र का परिचय	1. अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र एवं प्रकृति, व्यष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा, व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन 2. अर्थशास्त्र का सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों से संबंध 3. वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र 4. आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियां आगमन एवं निगमन विधि 5. मूल अवधारणाएं-वस्तु, कीमत, मूल्य, विवेक शील व्यवहार, आर्थिक नियम, आवश्यकता एवं चयन 6. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएं तथा उत्पादन संभावना वक्र। उपभोक्ता व्यवहार 1. उपयोगिता अवधारणा, उपयोगिता गणनावाचक दृष्टिकोण, कुल उपयोगिता एवं सीमांत उपयोगिता। 2. सीमांत उपयोगिता ह्यस नियम। 3. तटस्थता वक्र विश्लेषण परिभाषा, अर्थ व विशेषताएं। 4. उपभोक्ता का संतुलन गतिविधि: परिचर्चा और चार्ट बनाना	12

94

III मांग एवं पूर्ति	1. मांग और पूर्ति की अवधारणा 2. मांग का नियम एवं उसके अपवाद गिफिन वस्तुएं 3. मांग की लोच 4. पूर्ति, पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच उत्पादन 1. उत्पादन की अवधारणा व उत्पादन फलन 2. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम 3. समोत्पाद वक्र अर्थ व विशेषताएं 4. उत्पादक का संतुलन 5. पैमाने की बचत 6. आगम एवं लागत की अवधारणाएं गतिविधि: परिचर्चा और चार्ट बनाना	12
IV बाजार	1. बाजार का अर्थ एवं वर्गीकरण 2. पूर्ण प्रतियोगिता अर्थ एवं विशेषताएं 3. पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत फर्म का संतुलन 4. अपूर्ण प्रतियोगिता का अर्थ प्रकार और विशेषताएं 5. एकाधिकार का अर्थ और विशेषताएं तथा फर्म का संतुलन 6. एकाधिकृत प्रतियोगिता का अर्थ और विशेषताएं तथा फर्म का संतुलन गतिविधि- वाद विवाद क्या एकाधिकार समाज के लिए लाभकारी है	12
V वितरण एवं कल्याण	1. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत 2. लगान 3. मजदूरी 4. व्याज 5. लाभ कल्याणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा	12

94

	गतिविधि -लगान ,ब्याज, मजदूरी और लाभ के आधार पर स्थानीय व्यापारियों के खातों का अध्ययन	
सारबिंदु(कीवर्ड)/टिग:वास्तविक अर्थशास्त्र, आदर्शात्मक अर्थशास्त्र, आगमन-निगमनविधि, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादनफलन, पूर्णप्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकृतप्रतियोगिता, सीमांत उत्पादकता।		
भागस- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्यपुस्तकें, संदर्भपुस्तकें, अन्य संसाधन		
1. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद। 2. कौटिल्य अर्थशास्त्र। 3. रामायण एवं महाभारत। 4. आहूजा, एच.एल. (नवीनतम संस्करण)। सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत, सुल्तान चंद एंड कंपनी, नई दिल्ली (हिंदी और अंग्रेजी संस्करण)। 5. बरला, सी.एस. (नवीनतम संस्करण), सूक्ष्म अर्थशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, नई दिल्ली (हिंदी और अंग्रेजी संस्करण)। 6. झिंगन, एम.एल. (नवीनतम संस्करण), सूक्ष्म अर्थशास्त्र, वृंदा प्रकाशन, नई दिल्ली (हिंदी और अंग्रेजी संस्करण)। 7. . कार्ल ई. केस और रे सी. फेयर, (2007), अर्थशास्त्र के सिद्धांत, 8वां संस्करण, पियर्सन एजुकेशन इंक. 8. कौत्सोयियानिस, ए. (1979), आधुनिक सूक्ष्म अर्थशास्त्र, (द्वितीय संस्करण), मैकमिलन प्रेस, लंदन। 9. क्रेप्स, डेविड एम. (1990), ए कोर्स इन माइक्रोइकोनॉमिक थ्योरी, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रिंसटन 10. मैनकीव, जी. (2010), माइक्रोइकोनॉमिक्स के सिद्धांत, 6वां संस्करण, साउथ-वेस्टर्न कॉलेज पब्लिकेशन, यूएसए। 11. मिश्रा एस.के. और पुरी वी.के. (2001) - एडवोकेट एडवांस्ड माइक्रो इकोनॉमिक थ्योरी, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, बॉम्बे (हिंदी और अंग्रेजी संस्करण)। 12. साल्वाटोर डी. (2006), सूक्ष्म अर्थशास्त्र-सिद्धांत और अनुप्रयोग, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस		

g

13. साल्वातोर डी. (2002) माइक्रो इकॉनॉमिक थ्योरी की थ्योरी और समस्याएं, शाउम की रूपरेखा श्रृंखला, मैकग्रा-हिल बुक कंपनी, सिंगापुर
14. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे. पी, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
15. सिन्हा वी.सी. एवं सिन्हा पुष्प, व्यष्टिअर्थशास्त्र, एस.बी.पी.डी. प्रकाशन, आगरा
16. सिन्हा वी.सी. और श्रीवास्तव ऋतु, (2020-21) एस.बी.पी.डी. प्रकाशन, आगरा
17. अर्थशास्त्र हिंदी ग्रंथ अकादमी

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भागद-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतमअंक: 1 00

सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE)अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	
सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुलअंक :30
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	कुलअंक 70
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	

कोई टिप्पणी/सुझाव:

92